

07524

**POST GRADUATE DIPLOMA IN
INTERNATIONAL BUSINESS
OPERATIONS/MASTER OF
COMMERCE**

Term-End Examination

June, 2011

**IBO-05 : INTERNATIONAL MARKETING
LOGISTICS**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

1. (a) In the context of trade liberalisation policies in India, evaluate the importance of domestic and international logistics. 12, 8
- (b) In the light of the role of road transport in the movement of import/export cargo, outline the steps taken by the Government of India for improvement of road network and fleet modernisation.

2. Distinguish between time charter and voyage charter and enumerate the responsibilities of respective ship-owners. 8,12

3. Describe the public warehousing network in India, and outline the role of Central Warehousing corporation in facilitating overseas trade. **20**
4. "Indian shipping policy measures are aimed at the development of shipping fleet so as to attain self-reliance." Explain these measures briefly and state as to how far has India been able to achieve the objectives set out in the shipping policy. **20**
5. (a) Outline the various services provided by International Maritime Bureau. **10,10**
(b) Explain the trend in growth of world sea - borne trade and its share by different country groups.
6. Distinguish between
(a) Liner shipping and Tramp shipping **10,10**
(b) Total systems concept and Total Cost concept of logistics management
7. Describe the consultative arrangements in India for resolving shippers' problems and state the limitations thereof. **12, 8**
8. Write short notes on *any two* of the following : **10,10**
 - (a) Containerisation
 - (b) Structure of Civil Aviation in India
 - (c) Problems faced by Ports in India
 - (d) Duties and Liabilities of Carriers under the Carriage of Goods by Sea Act, 1925.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

आई.बी.ओ.-05 : अंतर्राष्ट्रीय विपणन
लॉजिस्टिक्स

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

नोट : कोई से पाँच प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (a) भारत में व्यापार के उदारीकरण के संदर्भ में घरेलू लाजिस्टिक्स तथा अंतर्राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए। 12, 8
- (b) भारत में आयात-निर्यात कार्गो के प्रचालन में सड़क परिवहन की भूमिका के संदर्भ में सड़क नेटवर्क के सुधार एवं गाड़ियों के बेड़ों के आधुनिकीकरण में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।
2. समय चार्टर तथा समुद्री यात्रा चार्टर में अंतर बताइए, तथा इनके अंतर्गत जहाज मालिकों के उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए। 8,12
3. भारत में सार्वजनिक मालगोदाम नेटवर्क का वर्णन कीजिए तथा निर्यात व्यापार को सुविधाजनक बनाने में केंद्रीय मालगोदाम निगम की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 20

4. “ भारतीय नौपरिवहन नीतियों का उद्देश्य स्व-निर्भरता प्राप्त करने के लिए नौपरिवहन बेड़े का विकास करना है।” इन नीतियों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए तथा यह बताइए कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में भारत कहाँ तक सफल रहा है। 20
5. (a) अंतर्राष्ट्रीय समुद्री ब्यूरो (IMB) द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं का उल्लेख कीजिए। 10, 10
 (b) विश्व के समुद्री व्यापार के विकास की प्रवृत्ति तथा इसमें विभिन्न देश समूहों के हिस्से की व्याख्या कीजिए।
6. निम्नलिखित में अंतर बताइए :
 (a) लाइनर नौपरिवहन तथा ट्रैम्प नौपरिवहन 10, 10
 (b) लाजिस्टिक्स प्रबंधन की कुल प्रणाली अवधारणा तथा कुल लागत अवधारणा
7. भारत में शिपों की समस्याओं को सुलझाने की सलाहकारी 12, 8 व्यवस्थाओं का वर्णन कीजिए, तथा इन की सीमाओं का उल्लेख कीजिए।
8. निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* पर व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ लिखिए : 10, 10
 (a) कंटेनरीकरण
 (b) भारत में नागरिक उड्डयन की संरचना
 (c) भारतीय बंदरगाहों की समस्याएँ
 (d) समुद्र द्वारा माल वाहन अधिनियम, 1925 के अंतर्गत वाहकों के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व।